कयामत के फितनो और उसकी निशानियाँ (तिर्मेज़ी शरीफ)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

हिन्दी किताब एक हजार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ से रिवायत का खुलासा है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1) रावी हुजैफा रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जब तुम अपने इमाम (हाकिम) को कत्ल करोंगे और अपनी तलवारों के साथ आपस में ही लडाई करोंगे और तुम्मे से बदतरीन लोग तुम्हारी दुनिया के वारिस होंगे, तो उस वकत कयामत कायम हो जाएंगी.

2) रावी सोबान रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- अपनी उम्मत के बारे में मुझे उन इमामो से खतरा है जो उम्मत को गुमराह करने वाले है, और जब मेरी उम्मत में तलवार मियानों से निकल आएंगी तो कयामत के दिन तक नहीं रूकेंगी.

3) रावी अब्दुल्लाह बिन अमर रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने

फरमाया- तुम्हारा उस वकत क्या हाल होगा जब तुम नाकारा लोगों में ज़िन्दगी बसर करोंगे जिन्का वादा और अमानत दुरूस्त नहीं होगा और उन्मे झगडा पैदा होगा, तब वे इस तरह हो जाएंगे, आपﷺ ने मिसाल देते हुए अपनी उंगलियों को एक-दूसरे में दाखिल किया यानी अमानतदार को ख्यानत वाले से और नेक को बदकार से अलग नहीं किया जा सकेगा. हज़रत अब्दुल्लाह बिन अमर रदी ने अर्ज़ किया आप उन हालात में मुझे क्या हुक्म देते है? आपﷺ ने जवाब दिया तुम्हे अच्छी बातों को अपनाना चाहिए और बुरी बातों को छोड देना चाहिए तथा तुम अपने काम से गर्ज़ रखो और आम लोगों के मामलात को छोड दो.

4) रावी उम्मे मालिक बहज़िया रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने एक फितने का ज़िक्र करते हुए उसे करीब बताया, हज़रत उम्मे मालिक बहज़िया रदी ने पूछा ए अल्लाह के रसूल! उस फितने में सबसे बेहतर कौन आदमी होगा? आपﷺ ने फरमाया एक वो आदमी है जो अपने मवेशियों में रहता हो, उनकी ज़कात अदा करता हो और अपने रब की इबादत करता हो, और दूसरा वो आदमी है जिसने अपने घोडे की लगाम को थामा हुआ हो और

वो दुश्मनों में खौफ पैदा करता हो और दुश्मन उस्से डरते हो.

5) रावी सोबान रदी; रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया- जब मेरी उम्मत के कुछ लोगों में तलवार मियान से बाहर निकल आएंगी तो कयामत के दिन तक तलवार कत्ल व गारतगरी से बाज़ नहीं आएंगी. और कयामत उस वकत तक कायम नहीं होंगी जब तक की मेरी उम्मत के कुछ लोग मुशरिको के साथ ना मिल जाए, और जब तक की मेरी उम्मत के कुछ कबीले बुतों की पूजा ना शुरू कर दें. और ये बात यकीनी है की मेरी उम्मत में ३० झूठे नबी ज़ाहिर होंगे, उन्मे से हर एक ये गुमान करेंगा की वो अल्लाह तआला का नबी है हालाकि में आखिरी नबी हू मेरे बाद कोई पैगम्बर नहीं है. और मेरी उम्मत में एक गिरोह हमेशा हक पर रहेंगा, वो गालिब होगा, उस जमात की मुखालफत करने वाले उसे कुछ नुकसान नहीं पोहंचा सकेंगे यहा तक की कयामत कायम हो जाएंगी.

6) रावी अनस रदी; रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया- कयामत उस वकत तक कायम नहीं होंगी जब तक की वकत तेज़ी से ना गुज़रने लग जाए, साल महीने के बराबर, महीना हफ्ते के बराबर

और हफ्ता दिन के बराबर और दिन घन्टे के बराबर और घन्टा आग के शोले की तरह होगा.

7) रावी अबू सईद खुदरी रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- में कैसे खुश रहू जबकी सूर फूकने वाले फरिश्ते ने सूर को मुह में थामा हुआ है, अपने कानो को झुका रखा है, अपनी पेशानी को नीचे किया हुआ है, वो इस इन्तेज़ार में है की कब उसे सूर फूकने का हुक्म मिलता है, सहाबा किराम रदी. ने पूछा ए अल्लाह के रसूल! इस हालत में आप हमे क्या हुक्म देते है?

आपﷺ ने फरमाया- तुम कहो 'हस्बुनल्लाहु व निअमल वकील', तर्जुमाः- हमे अल्लाह ही काफी है, वोही बेहतर कारसाज़ है.